

11.01.22 पत्रावली पेश हुई। बार-बार आवाज दिलाई गई
न अधिवक्ता अपीलान्ट और न अपीलान्ट स्वयं
उपास्थित हुए। अतः पत्रावली अदम हाजरी, अदम
पैरवी में खारिज की जाती है। पत्रावली फ़ैसल
शुभार होकर नम्बर से कम की जावे, बाकजावा
पत्रावली वाखिल दफ्तर थे।

सुभाष चन्द्र बोस,
पदेन
सुभाष चन्द्र बोस प्राधिकाारी
बंगलूर संसद-घोषणा